हीट वेव के प्रभाव के न्यूवनीकरण हेतु किये गये कार्यो का प्रस्तुतीकरण

जनपद- बलिया, उत्तर प्रदेश

प्रस्तुत कर्ता- डॉ0 सुजीत कुमार
मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला चिकित्सालय बलिया

पृष्ठ भूमि एवं वस्तु स्थिति (Background and current situation)

- जनपद में आपदाओं को न्यून करने तथा बेहतर प्रत्युत्तर प्रणाली विकसित किये जाने हेतु एक योजना का निर्माण किया जाता है जिसमें जनपद की सभी प्रकार की आपदाओं के लिये एक आवश्यक दिशा निर्देश एवं विशेष योजना का भाग सम्मिलित होता है जिला आपदा प्रबंधन योजना एक समग्र योजना है, जिसके अन्तर्गत विभिन्न आपदाओं– बाढ़, सूखा, भूकम्प तथा हीटवेव, की स्थिति में जिला प्रशासन को पूर्व तैयारी, प्रतिक्रिया तथा जोखिम न्यूनीकरण से सम्बन्धित समयबद्ध तथा प्रभावी कदम उठाए जाने हेतु त्वरित प्रक्रिया निहित है। जो जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के आई0आर0एस0 प्रणाली का भी अनुसरण करती है, इसमें आपदा प्रबन्धन से सम्बन्धित कार्यों एवं विभिन्न सरकारी विभागों एवं गैर सरकारी संगठनों के दायित्वों का वर्णन किया गया है।
- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश में 77.73 प्रतिशत ग्रामीण एवं 22.27 प्रतिशत नगरीय जनसंख्या निवास करती है। प्रदेश की अधिकांश जनता का जीवन–यापन अधिक तापमान, वर्षा, बाढ़, सूखा, तूफान, ओलावृष्टि, वज्रपात आदि मौसम की विभीषिकाओं से प्रभावित होता है। जनपद में ग्रीष्म ऋतु का अधिक प्रभाव रहता है। 21वीं सदी की शुरूआत के बाद से एशिया में तापमान और बढ़ रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान के औसत में वैश्विक वृद्धि और अधिक होगी, हीट वेव दुनिया भर में मृत्यु और रूग्णता का एक महत्वपूर्ण कारण है, तथा जलवायु परिवर्तन से उष्मा तरंगों की तीव्रता के कारण गर्मी की घटनाओं के प्रभाव में वृद्धि होने की संभावना है। वर्तमान में वैश्विक तापमान में वृद्धि जारी है।इस बढ़ते तापमान को मनुष्य द्वारा महसूस भी किया जा रहा है।

जनपद बलिया का भौगोलिक परिचय :

- जनपद बलिया उ0प्र0 में आजमगढ़ मण्डल में पूर्व सीमा पर बिहार राज्य से सटा हुआ 25:33 व 26:11 अक्षांश तथा 85:30 देशान्तर पर गंगा एवं घाघरा दो नदियों के मध्य स्थित है। जनपद के उत्तर पूरब में बिहार प्रान्त का सारन जनपद, दक्षिण में बक्सर एवं भोजपुर व पश्चिम में उ0प्र0 राज्य का मऊ व पश्चिम व दक्षिण जनपद गाजीपुर है।

नदी व नाले

- इस जनपद में भारत की दो महान नदियों गंगा तथा सरयू (घाघरा) जय प्रकाश नगर के पूरब में बिहार प्रान्त में मिलती है। जनपद के मध्य क्षेत्र में टोंस नदी तथा मगई नदी बहती है। टोंस नदी आजमगढ़ से आकर गंगा में ग्राम बघेजी के पास मिलती है। मगई नदी गाजीपुर से आकर बलिया तहसील के परगना गड़हा के ग्राम रामपुर चीट में टोंस नदी में मिल जाती है। एक प्रकार से उत्तर प्रदेश में गंगा व सरयू (घाघरा) का होकर समस्त जल जनपद बलिया में आता है। उपयुर्क्त नदियों के अतिरिक्त जनपद में कई नाले है । जिनमे से तहसील बलिया में कटहल नाला, दलकी एवं एवं मुरली छपरा के नाले मुख्य है।

जिला प्रोफाइल

जनपद बलिया में 6 तहसील एवं 17 विकास खण्डों में फैले इस जनपद का कुल क्षेत्रफल 299265 हेक्टेअर है, जिसकी कुल जनसंख्या 2011 की जनगणना के अनुसार 3223642 है।

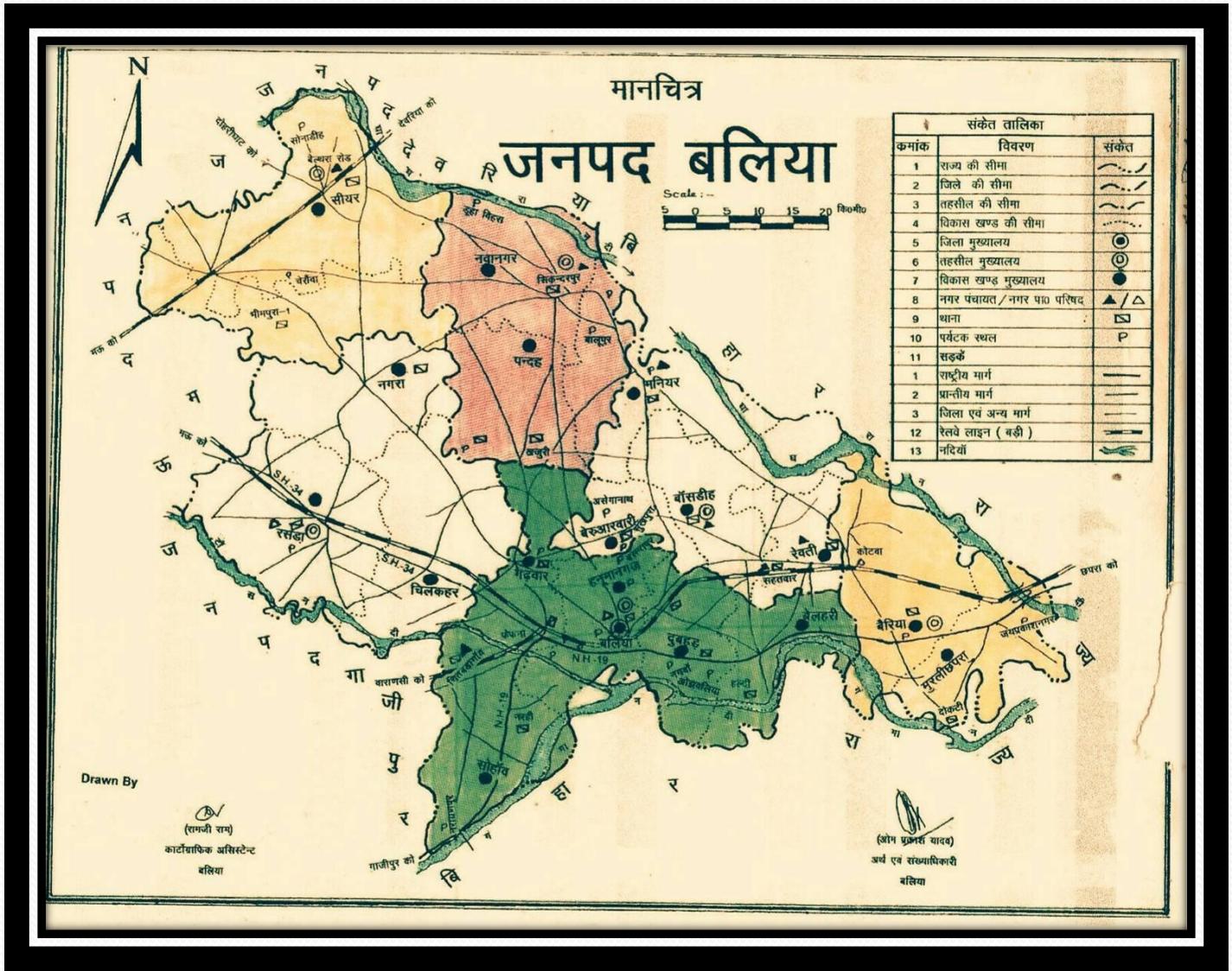

आपदा कैलेन्डर

आगमन का महीना

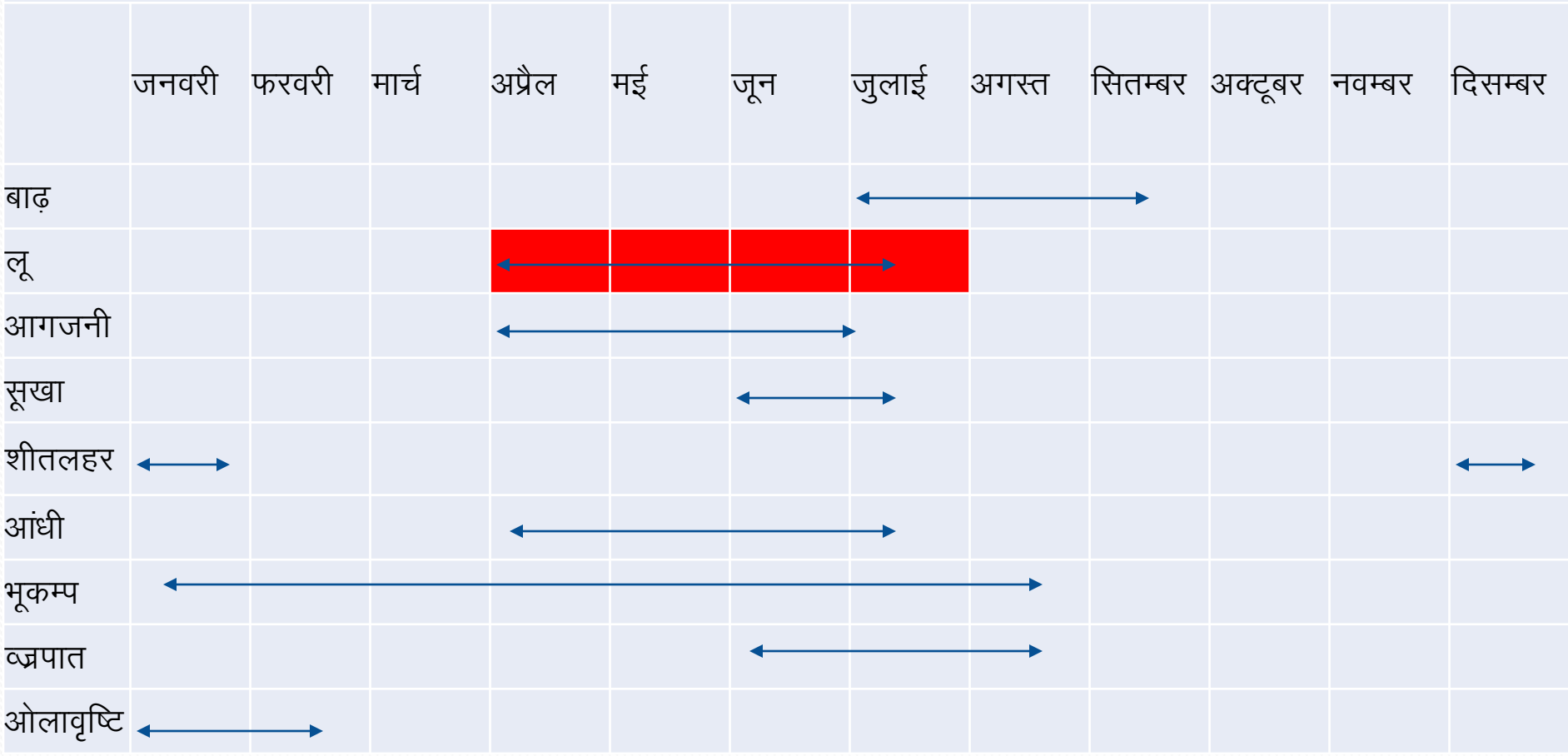

जनपद बलिया में लू हीट वेव से बचाव हेतु किये गये उपायो का संक्षिप्त विवरण

दिनांक 20.04.2023 को जनपद बलिया मे जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता मे हीटवेव (लू) से सुरक्षा के सम्बन्ध मे बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान समस्त सम्बन्धित विभागो को जरूरी निर्देश दिए गए। बैठक मे मख्य ,अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) , मुख्य विकास अधिकारी,मुख्य चिकित्सा अधिकारी ,जिला आपदा विशेषज्ञ जिला विद्यालय निरीक्षक , बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित अन्य अधिकारी सम्मिलित थे। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराए गए आईईसी मैटेरियल को जनपद स्तर के समस्त अधिकारी में वितरित कर अधिक से अधिक जन समुदाय में प्रचार प्रसार करने के लिए जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया स आपदा विशेषज्ञ द्वारा दामिनी ऐप एवम सचेत ऐप के बारे में भी बताया गया ।

बलिया जनपद में अधिकत्तम तापमान का विवरण

Year	Maximum Temperature Recorded				
	March	April	May	June	July
2018	38	40.5	42	43.5	40
2019	37.8	42.5	43.5	44.6	38
2020	34	39	44	38	37
2021	38.9	41.4	41	39	37
2022	37	41.5	41	42	39
2023	37	42.5	42	43.5	39

Data Source- IMD Lucknow

जनपद बलिया में हीट वेव/लू से ग्रसित रोगियों का आकड़ा

CASES & DEATHS DUE TO HEAT RELATED ILLNESS -District Ballia-Uttar Pradesh 2023

Sl.No.	Name of Facility(CHC/PHC)	Cumulative no of cases reported due to Heat Related Illness in the District since Apri 2023 to July 2023	Total Cumulative in the District since April 2023 to July 2023	Cumulative no of deaths reported due to Heat Related Illness in the State since April 2023 to July 2023
1	Belahri	34	34	0
2	Vaina	1	1	0
3	Beruarbari	4	4	0
4	Pandah	27	27	0
5	Navanagar	13	13	0
6	Garwar	0	0	0
7	Murlichhapra	10	10	0
8	Reoti	3	3	0
9	Nagra	5	5	0
10	Bansdih	0	0	0
11	Chilkahar	0	0	0
12	Bairiya	36	36	0
13	Rasra	0	0	0
14	Siar	3	3	0
15	Dubhar	0	0	0
16	Sohawon	0	0	0
17	Maniyar	23	23	0
18	Urban PHC Ballia City	0	0	0
19	DH Ballia	0	0	0
20	Total	159	159	0

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बलिया

वन विभाग व अन्य विभागों द्वारा विगत 05 वर्षों में कराये गए पौधरोपण का विवरण

क्र0 सं0	विभाग का नाम	2023-24		2022-23		2021-22		2020-21		2019-20		2018-19	
		लक्ष्य	प्रगति	लक्ष्य	प्रगति	लक्ष्य	प्रगति	लक्ष्य	प्रगति	लक्ष्य	प्रगति	लक्ष्य	प्रगति
1	वन विभाग	1300000	1300000	1518240	1523500	1391000	1391325	1324000	1328175	1060501	1062873	615628	616392
2	अन्य विभाग	2799200	2810660	2797810	2797810	2289233	2398944	1832650	1869238	2440959	2488385	709545	746895
	कुल योग	4099200	4110660	4316050	4321310	3680233	3790269	3156650	3197413	3501460	3551258	1325173	1363287

स्टेट आफ फारेस्ट रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2013 में वनावरणः– 0.75 प्रतिशत एवं वर्ष 2019 में वनावरणः– 0.74 प्रतिशत

Amrit Sarovar

Sr. No.	Sub Drictict	Total Number of Sites Identified	Total Number Of Works Commenced Out Of Total Identified Sites
1	Bairia	9	3
2	Ballia	108	89
3	Bansdih	59	44
4	Belthara Road	55	48
5	Rasra	94	86
6	Sikanderpur	88	82
	Total	413	352

विकास खण्ड–सीयर

ग्राम पंचायत–फरसाटार

ग्रा0पं0 फरसाटार में कुटी के पास अमृत सरोवर का जीर्णोद्धार कार्य

;3159018025ध्॰्‌9584862558232353220)

विकास खण्ड–सोहाव

ग्राम पंचायत–सुजायत

ग्राम पंचायत में सुजायत में अमृत वन का अनुरक्षण कार्य।

(3159029044/DP/95848625582339048O)

Agriculture Impact

Effects of heatwaves on crops and livestock

Economic implications for local farmers

Drought Proofing Strategies in Ballia by Horticulture Department

- • कृषको को सूखे से बचाव के लिए प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजनान्तर्गत ड्रिप 100 हे0 एवं स्प्रिंकल 1135 हे0 क्षेत्रफल संयत्र स्थापित किये जा चुके है। इस विधि से सिंचाई करने से 70–80 प्रतिशत जल की बचत होती है एवं फसलो को सूखे से बचाव होता है।
- • वर्ष 2023–24 में 2.36 लाख फलदार पौधो का निःशुल्क वितरण किया गया, जो कि पर्यावरण संरक्षण /जल संरक्षण में सहायक होगें।
- • कृषकों को कम पानी चाहने वाली फसलों यथा–प्याज, कद्दूवर्गीय फसलों के बीज कृषकों को निःशुल्क वितरित किये गये। जनपद में कद्दूवर्गीय फसलों की खेती लगभग 125 हे0 क्षेत्रफल में की गयी।
- • कृषकों को ड्रिप सिंचाई पद्धती के साथ मल्चिंग के प्रयोग को प्रोत्साहित किया गया। मल्चिंग के प्रयोग से 90–95 प्रतिशत जल की बचत होती है।
- • कम पानी चाहने वाली औषधीय फसलें यथा सतावर की खेती को बढ़ावा दिया गया। जनपद में लगभग 10 हे0 क्षेत्रफल पर सतावर की खेती की जाती है।

जनपद बलिया में लू–प्रकोप (Heat Wave) से बचाव एवं राहत कार्य हेतु विभागवार निम्न कार्य कराये गये

- **1–स्वास्थ्य विभाग**
- जनपद में हीट वेब इलनेस के रोकथाम हेतु जनपद के सभी चिकित्सा अधिकारियों एवं पैरामेडिकल (आशा, ए0एन0एम0 एवं सी0एच0ओ0) आदि का प्रशिक्षण कराया गया।
- जनपद के प्रत्येक स्वास्थ्य केन्द्र पर हीट वेब इलनेस से बचाव हेतु "क्या करें क्या न करें", आई0सी0सी0 एवं बी0सी0सी0 एवं साथ ही हीट वेब से सम्बन्धित डिस्प्ले किया गया।
- जनपद में हीट वेब इलनेस के रोकथाम हेतु स्वास्थ्य केन्द्रो पर सम्बन्धि दवाये जैसे– ओ0आर0एस0, पैरासिटमाल, आई0वी0 फ्लूड एवं आईस पैक इत्यादि की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी।
- जनपद में हीट वेब इलनेस के रोकथाम हेतु प्रत्येक स्वास्थ्य केन्द्र पर आइसोलेशन बेड आरक्षित किया गया। दस्तक अभियान के दौरान माह जुलाई में आशाओ द्वारा घर–घर जा कर हीट वेब इलनेस से बचाव हेतु संवेदीकृत किया गया।
- जनपद के प्रत्येक स्वास्थ्य केन्द्रो पर हीट वेब इलनेस के रोकथाम हेतु कूलर, ठण्डे पेयजल एवं जनरेटर की व्यवस्था की गयी।
- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र/सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं जिला अस्पताल पर आवश्यक दवाईयां उपलब्ध हों तथा स्वास्थ्य केंद्रों को हीट–वेव से किसी भी प्रकार की घटना होने पर 24X7 क्रियाशील रहने हेतु निर्देशित किया गया।

जिलाधिकारी बलिया के निर्देश पर जिला चिकित्सालय बलिया में हीट वेव मरीजो के लिए वातानुकूलित व्यवस्था किया गया

- **2–परिवहन विभाग**
  बस स्टैंडों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षित परिवहन के लिए स्वास्थ्य टीमों की तैयारी एवं पीने के पानी तथा यात्रियों के लिए लू से बचाव की उचित व्यवस्था किया गया।
  बस स्टैण्डों पर यात्रियों के लिए छायां एवं पेयजल की व्यवस्था किया गया।
- **3–पशुपालन विभाग**
- पशुओं की सुरक्षा के लिए हीट वेव एक्शन प्लान की तैयारी, और समीक्षा की गई।
- गर्मी की स्थितियों के दौरान पशु प्रबंधन पर जागरूकता लाने के लिए ग्राम स्तर पर क्षेत्रीय कर्मचारियों और पशुपालकों को सक्रिय कियां।
- सार्वजनिक स्थानों में लू से बचाव के लिए पशु प्रबंधन पर उपायों को पोस्टर के माध्यम से प्रकाशित किया गया।
- पशुओं के लिए पीने के पानी की उचित व्यवस्था किया गया।
- **4–सूचना विभाग**
- गर्मी से संबंधित बीमारियों पर जन जागरूकता, सोशल मीडिया (फेसबुक, ट्विटर और व्हाट्सएप) व दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से हीट वेव/लू से बचाव का व्यापक प्रचार प्रसार किया गया।
- **5–मनरेगा विभाग**
- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के अंतर्गत काम करने वाले मजदूरों के लिए समय (12:00 से 03:00 बजे) हीट वेव/लू से बचाव हेतु आवश्यक व्यवस्था किया गया।
- कार्य करने के स्थान पर पेयजल और छाया की व्यवस्था किया गया।
- **6–वन विभाग**
- जानवरों एवं पक्षियों' के लिए तालाब एवं पानी के श्रोतों का उचित प्रबंधन किया गया।

- **7–अग्निशमन विभाग**
- लू के दृष्टिगत अग्निशमन विभाग द्वारा मुख्यालय एवं तहसीलों में स्थापित उप केन्द्रों को आवश्यक संसाधनों सहित 24×7 क्रियाशील रखा गया।तथा अग्नि से बचाव हेतु नागरिकों को जागरूक किया गया।
- आम–जनमानस द्वारा दी जाने वाली सूचना हेतु समस्त उपकेन्द्रों पर स्थापित टोल फ्री नम्बर का प्रचार प्रसार किया गया।
- **8–शिक्षा विभाग**
- तीव्र गर्मी से बचाव हेतु विद्यालयों के समय में परिवर्तन किए गये।
- छात्र/छात्राओं हेतु पेयजल तथा विद्यालयों में पावर सप्लाई व पंखें आदि की व्यवस्था की व्यवस्था की गई।
- **9–नगर विकास विभाग।**
- नगरीय क्षेत्रों के सब्जी मण्डी/चौराहो व सार्वजनिक स्थलो पर शीतल जल की समुचित व्यवस्था तथा नगर के दूर–दराज क्षेत्रो में पानी आदि की व्यवस्था की गई।
- आवश्यकतानुसार विभिन्न नगरीय क्षेत्रो/स्थलों पर (जहां छाया हो/लोगों का ठहराव होता हो) आदि का चिन्हाकरण करते हुये विभिन्न स्थलों पर प्याऊ आदि की व्यवस्था किया गया।
- **10–पंचायती राज विभाग**
- ग्रामीण क्षेत्रो के सार्वजनिक स्थलो, चौराहो व आवश्यकतानुसार संबंधित ग्रामों में पानी की टंकी/टैंकरो आदि की व्यवस्था की गई।
- आवश्यकतानुसार विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रो/स्थलों पर (जहां छाया हो/लोगों का ठहराव होता हो) आदि का चिन्हाकरण करते हुये विभिन्न स्थलों पर प्याउ आदि का व्यवस्था की गई।
- **11–विद्युत विभाग**
- शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में टूटे हुए बिजली के खंभों आदि को सुदृढ़ करना व क्षेत्रों में समय–समय पर रोस्टर के आधार पर बिजली आपूर्ति व्यवस्था किया गया।
- जनमानस द्वारा दी गई सूचना के आधार पर यदि किसी कारण से बिजली आपूर्ति ठप हो जाए उन क्षेत्रों में यथाशीघ्र बिजली आपूर्ति व्यवस्था किया गया।

जनपद बलिया में हीट वेव व लू से बचाव हेतु जन जागरूकता एवं प्रचार प्रसार

CHC Siar

District Hospital Ballia

लू-तापघात के लक्षण
अधिक गर्मी एवं लू के कारण होने वाली बीमारियाँ मुख्य रूप से दो प्रकार की होती हैं.
हीट इर्जॉस्चन एवं हीट स्ट्रोक
स्वास्थ्य विभाग, बलिया

Uttar Pradesh State Heat Action Plan
लू-तापघात के लक्षण
स्वास्थ्य विभाग, बलिया
सभी प्रकार के सिक्के स्वीकार किए जाते है।
जन औषधि केन्द्र
सरकारी सस्ती दवा की दुकान
50% से 90% तक
सुशील सिंह 6388282042
पंजीकरण
पुरुष/महिला

Uttar Pradesh State Heat Action Plan
लू-तापघात के लक्षण
अधिक गर्मी एवं लू के कारण होने वाली बीमारियाँ मुख्य रूप से दो प्रकार की होती हैं.
हीट इर्जॉस्चन एवं हीट स्ट्रोक
हीट इर्जॉस्चन के लक्षण
हीट स्ट्रोक लक्षण
स्वास्थ्य विभाग, बलिया

Uttar Pradesh State Heat Action Plan
लू-तापघात के लक्षण
स्वास्थ्य विभाग, बलिया

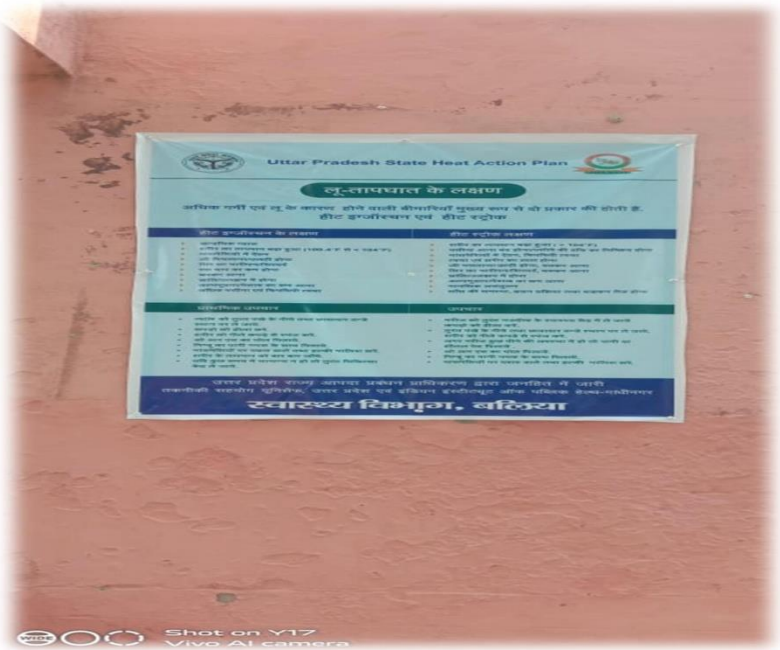

जनपद के आपदा मित्रो के द्वारा लू हीट वेव से बचाव हेतु प्रचार प्रसार एवं जागरूकता अभियान

-: आवश्यक सूचना :-
कलेक्ट्रेट कार्यालय के अन्दर पान, गुटखा, तम्बाकू आदि का सेवन करना निषेध है, इसका उपयोग करते पाये जाने पर रु0 500/- (पाँच सौ रुपये) जुर्माना वसूला जायेगा।
आज्ञा से
जिलाधिकारी, बलिया
धनेश कुमार दुबे
मुरली यादव
अम्बरीश कुमार
Shot on realme narzo 20

बचाव ही लू और भीषण गर्मी का उपचार

बलिया। भीषण गर्मी और लू को देखते हुए उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आमजन के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। साथ ही आमजन को आगाह किया गया है कि लू जानलेवा हो सकता है। इससे बचाव ही प्रभावी उपचार है। ब्यूरो

लक्षण

■ शरीर का तापमान बढ़ना और पसीना न आना। ■ सिर दर्द होना या सिर में भारीपन महसूस होना। ■ त्वचा का सूखा या लाल होना। ■ उल्टी-दस्त होना। ■ मांसपेशियों में ऐंठन। ■ रक्तचाप का कम होना। ■ लघुशंका कम होना। ■ चक्कर आना और बेहोश हो जाना। ■ सांस लेने में समस्या या

प्राथमिक उपचार

■ पीड़ित व्यक्ति को ठंडे और छायादार स्थान में ले जाएं। ■ 108 नंबर की एंबुलेंस को फोन करें या नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाएं। ■ व्यक्ति बेहोश न हो तो ठंडा पानी पिलाएं। ■ जितना हो सके, कपड़े शरीर से निकाल दें। ■ गीले कपड़े से शरीर को पोछें। ■ पंखे से शरीर पर हवा करें। ■ शरीर के ऊपर पानी से स्प्रे करें। ■ पीड़ित व्यक्ति का पैर ऊपर कर सुला दें। ■ ओआरएस का घोल या नींबू पानी नमक के साथ पिलायें। ■ मांसपेशियों पर दबाव डालें और हल्के हाथ से

बचाव

■ शरीर अधिक गर्म लगने पर स्नान करें। ■ अत्यधिक गर्मी के दौरान दोपहर में घर से बाहर निकलने से बचें। ■ धूप में बाहर निकलते समय सिर पर गीला कपड़ा रखें या शरीर को ढक कर निकलें। ■ हल्के या सफेद रंग के ढीले कपड़े पहनें। ■ अधिक परिश्रम के बीच भी आराम के लिए समय जरूर निकालें। ■ चाय, कॉफी, शराब और अधिक मसाले वाले पेय पदार्थ ना पियें। ■ प्यास ना लगने पर भी पानी

epaper
हिन्दुस्तान
Share Copy url Save Font Size D'load Image Image Text Listen

हीटवेव से निपटने की तैयारी में जुटा आपदा विभाग

- विभागों से सहयोग को लिख रहे पत्र
- सामान्य से अधिक गर्मी पड़ने की संभावना

बलिया, संवाददाता। सामान्य से अधिक गर्मी पड़ने की संभावना मौसम विशेषज्ञों ने जतायी है। चूंकि इस साल फरवरी महीने में ही अधिकतम तापमान सामान्य से तीन से चार डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। इसे देखकर विशेषज्ञ औसत से अधिक गर्मी पड़ने की संभावना व्यक्त किए हैं।

अपर जिलाधिकारी (वित्त राजस्व) राजेश सिंह ने बताया कि इस साल अधिक गर्मी पड़ने की संभावना को देखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से विभिन्न विभागों के सहयोग के लिए पत्राचार शुरू हो गया है। आपदा विशेषज्ञ पीयूष सिंह ने बताया कि हीट वेव (लू) से सबसे अधिक खतरा छोटे बच्चे व बुजुर्गों को रहता है। लू आपदा से निपटने के लिए सभी विभागों का सहयोग लिया जाएगा। पंचायतीराज, स्वास्थ्य, परिवहन, नगरीय निकाय, जल संरक्षण, श्रम, विद्युत, पशुपालन आदि विभाग को जिम्मेदारी दी जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से रैपिड रिस्पांस टीम का गठन कराया जायेगा।

पूर हिसं के अनुसार मार्च महीने में बढ़ी बेतहाशा गर्मी ने लोगों बदहाल कर दिया है। उपर से बिजली कटौती कोढ़ में खाज वाली कहावत चरितार्थ कर रही है।

प्रचार–प्रसार किया जा रहा है।

पशुओंको छायादार स्थानोंपर बांधे– जिलाधिकारी

बलिया। इस बार गर्मी को देखते हुए जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। बैठक में लू एवं गर्म हवा से लोगों के बचाव के विषय पर विचार विमर्श किया गया और गर्मी से बचाव और उसकी जानकारी से संबंधित पम्पलेट का विमोचन किया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी विभागों को जरूरी दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सीआरओ को निर्देशित किया कि सभी ईओ अपने क्षेत्रों में पानी की मशीनों की व्यवस्था करें। यदि मशीने खराब है तो उनको ठीक कराएं। साथ ही सीएमओ को निर्देशित किया कि पहले से ही सारी तैयारियां पूरी रखे। इस तरह के किसी भी मरीज के आने पर उसका तुरंत उपचार हो सके। जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि लोग अपने पशुओं को छायादार स्थानों पर बांधे और उनके पानी की व्यवस्था करें। बैठक में सीडीओ, सीएमओ मुख्य कोषाधिकारी, मुख्य राजस्व अधिकारी आदि मौजूद थे।

हिन्दुस्तान

Share | Copy url | Save | Font Size | D'load Image | Image | Text | Listen

हीटवेव को गंभीरता से लेने के निर्देश

- गर्मी से बचाव और जानकारी से सम्बंधित पम्फलेट का विमोचन
- जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट में बैठक हुई

बलिया, संवाददाता। जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को कलक्ट्रेट सभागार में बैठक हुई। इसमें लू एवं गर्म हवा से लोगों के बचाव के विषय पर विचार विमर्श किया गया। साथ ही गर्मी से बचाव और उसकी जानकारी से संबंधित पम्पलेट का विमोचन किया गया। डीएम ने सभी विभागों को जरूरी दिशा निर्देश दिए।

वक्ताओं कहा कि लू– तापघात जानलेवा हो सकता है, इससे बचाव ही उपचार है। लू तापघात के लक्षणों में शरीर का तापमान बढ़ने लगता है और पसीना आता है। सिर दर्द, सिर का भारीपन महसूस होना व त्वचा सूख जाती है और लाल हो जाती है साथ ही मरीज को दस्त होने लगते हैं और मांसपेशियों में ऐंठन होती है। ऐसे में प्राथमिक उपचार यह है कि व्यक्ति को ठंडे एवं छायादार स्थान पर ले जाये। एंबुलेंस को फोन करें और ठंडा पानी पिलाएं। सूती कपड़े पहने ,सफर में पानी साथ रखें। शराब, चाय, कॉफी जैसे पेय पदार्थों का इस्तेमाल ना करें। डीएम ने सीआरओ को निर्देशित किया कि सभी ईओ अपने क्षेत्रों में पानी की मशीनों की व्यवस्था करें। यदि मशीने खराब है तो उनको ठीक कराएं। साथ ही सीएमओ को निर्देशित किया कि पहले से ही सारी तैयारियां पूरी रखे। इस तरह के किसी भी मरीज के आने पर उसका तुरंत उपचार हो सके। जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि लोग अपने पशुओं को छायादार स्थानों पर बांधे और उनके पानी की व्यवस्था करें। बैठक में सीडीओ, सीवीओ, सीएमओ, कोषाधिकारी, मुख्य राजस्व अधिकारी, नगर मजिस्ट्रेट आदि थे।

चिकित्सक को दिखाएं तथा लापरवाही न करें

बेल्थरारोड। जनपद में गर्मी से बढ़ती घटनाओं के बीच सजगतापूर्वक ध्यान रखकर इससे बचाव किया जा सकता है। तेज धूप के साथ लू के कारण शरीर निर्जलीकरण का शिकार हो जाता है। नींबू, नमक का घोल निरंतर लेते रहना चाहिए। किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर तुरंत चिकित्सक से दिखाएं तथा लापरवाही न करें। यह बातें डॉ संजय सिंह ने यह बातें कहीं, जो रविवार को जननायक चंद्रशेखर हास्पिटल एंड कैंसर इंस्टीट्यूट की ओर से आयोजित संवाद सम्मेलन कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान प्रधान संघ, आंगनबाड़ी संघ व आशा बहुओं से संवाद स्थापित कर उनके स्वास्थ्य की जांच की गई। डॉ सिंह ने कहा कि मौसमी बदलाव के दौरान गर्भवती महिलाओं, नवजात व वृद्धजनों का विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है। जननायक हास्पिटल में गर्भवती महिलाओं की निशुल्क जांच किया जा रहा है। संवाद

डीएम के निर्देश पर 24 घंटे में बन गया आरओ

बैरिया। डीएम का तल्ख तेवर रंग लाया। 24 घंटे के अंदर बैरिया तहसील प्रांगण में खराब पड़े आरओ प्लांट की मरम्मत हो गई। अब लोगों को पीने के पानी के लिए परेशानी नहीं हो रही है। शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंचे जिलाधिकारी रवींद्र कुमार से तहसील के अधिवक्ताओं ने शिकायत की थी कि तहसील प्रांगण में लगा आरओ खराब है। आईजीआरएस पर शिकायत करने पर रिपोर्ट लगा दी गई है कि आरओ बना दिया गया है। जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लिया और दो दिनों के अंदर आरओ बनाने के लिए अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किया। संवाद

बैरिया तहसील परिसर में आरओ प्लांट चालू हुआ। संवाद

प्याऊ लगाकर बुझाई प्यास

बैरिया। सोनबरसा चौक के पास जितेंद्र यादव के नेतृत्व में युवाओं ने प्याऊ लगवाया। रविवार को इस प्याऊ का उद्घाटन समाजसेवी हैप्पी सिंह ने किया। भीषण गर्मी और तेज धूप को देखते हुए सोनबरसा के ग्रामीणों ने एनएच-31 पर सोनबरसा चौक के पास सार्वजनिक प्याऊ स्थापित किया है। राहगीरों को निशुल्क पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। इस अवसर पर जितेंद्र यादव, निखिल उपाध्याय, पंकज सिंह, अजित यादव, मणिभूषण सिंह, सोनू कुमार व अमित सिंह मौजूद रहे। संवाद

गर्मी से बचाव पर किया विमर्श

जागरण संवाददाता, बलिया : जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक हुई। इसमें लू एवं गर्म हवा से लोगों के बचाव के विषय पर विचार-विमर्श किया गया। गर्मी से बचाव और उसकी जानकारी से संबंधित पंफलेट का विमोचन किया गया।

बैठक में जिलाधिकारी ने सभी विभागों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सीआरओ को निर्देशित किया कि सभी ईओ अपने क्षेत्रों में पानी की मशीनों की व्यवस्था करें। यदि मशीनें खराब हैं तो उनको ठीक कराएं।

साथ ही सीएमओ को निर्देशित किया कि पहले से ही सारी तैयारियां पूरी रखें। इस तरह के किसी भी मरीज के आने पर उसका तुरंत उपचार हो सके। जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि लोग अपने पशुओं को छायादार स्थानों पर बांधे और उनके पानी की व्यवस्था करें।

Zoom

धन्यवाद